तृतीय वर्ष - द्वितीय प्रश्न पत्र
(निबंध एवं काव्य शास्त्र)

1.निबंध की परिभाषा एवं स्वरूप स्पष्ट करते हुए निबंध के प्रकार बताइए।
2. निबंध के उद्भव एवं विकास के सोपान बताइए।
3. भारतेंदु युगीन निबंधों की सामान्य विशेषताएं बताइए।
4. द्विवेदी युग के निबंधों की सामान्य विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।
5. आचार्य रामचंद्र शुक्ल एवं उनके समकालीन निबंधकारों की प्रमुख विशेषताएं क्या क्या है?
6. "शुक्लोत्तर युग में भाव एवं भाषा दोनों ही दृष्टियों से निबंध साहित्य की श्री वृद्धि हुई" इस कथन के आलोक में शुक्लोत्तर युग के निबंधों की विशेषताएं बताइए।
7. हिंदी निबंध लेखन में बालकृष्ण भट्ट के योगदान पर प्रकाश डालिए।
8. पंडित बालकृष्ण भट्ट के निबंध लेखन का परिचय देते हुए उनके प्रसिद्ध निबंध 'साहित्य जनसमूह के हृदय का विकास है' की मूल भावना पर प्रकाश डालिए।
9.पंडित बालकृष्ण भट्ट के निबंध 'साहित्य जनसमूह के हृदय का विकास है' के महत्वपूर्ण बिंदु स्पष्ट कीजिए।
10. आचार्य रामचंद्र शुक्ल के निबंध ओं की सामान्य विशेषताएं बताइए।
11.' क्रोध' शीर्षक निबंध में व्यक्त विचारों को बिंदुवार स्पष्ट करते हुए आचार्य शुक्ल के निबंधों की भाषा शैली पर प्रकाश डालिए।
12. 'क्रोध' निबंध के आधार पर क्रोध की सामाजिक उपयोगिता का विवेचन करते हुए इस के हानि लाभ बताइए।
13. चिंतामणि में संकलित आचार्य शुक्ल के भाव एवं मनो विकारों से संबंधित निबंधों की विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।
14. हिंदी के ललित निबंधकारों में आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी के योगदान पर एक निबंध लिखिए।
15. आचार्य द्विवेदी ने 'भारतीय साहित्य की प्राणशक्ति' निबंध में साहित्य की प्राण शक्ति किसे माना है, स्पष्ट कीजिए।
16. ललित निबंध किसे कहते हैं और प्रमुख ललित निबंधकार कौन कौन है?
17. आचार्य नंददुलारे वाजपेयी की निबंध शैली की विशेषताओं को स्पष्ट कीजिए।
18. छायावाद के विषय में आचार्य नंददुलारे वाजपेई के चिंतन को बताइए।
19. छायावाद तथा मध्ययुगीन काव्य की आध्यात्मिकता के स्वरूप के अंतर को स्पष्ट कीजिए।

20."डॉ रामविलास शर्मा समीक्षक ही नहीं एक प्रसिद्ध निबंध लेखक भी हैं" इस कथन को स्पष्ट करते हुए उनके निबंध लेखन की विशेषताओं का वर्णन कीजिए।
21.'संत साहित्य की ऐतिहासिक भूमिका' शीर्षक निबंध के अंतर्गत डॉ रामविलास शर्मा ने जो विचार व्यक्त किए हैं उन्हें उदाहरण देते हुए स्पष्ट कीजिए।
22. 'क्या संत साहित्य को नई जातीय चेतना का साहित्य कहा जा सकता है'तर्कसहित अपने विचार प्रकट कीजिए।
23. विद्यानिवास मिश्र की निबंध कला और उसकी विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।
24.ललित निबंध के तत्व और लक्षणों के परिप्रेक्ष्य में 'मेरे राम का ही रहा है' निबंध की सारगर्भित समीक्षा प्रस्तुत कीजिए।
25. 'मेरे राम का मुकुट भीग रहा है' शीर्षक निबंध का प्रतिपाद्य उदाहरण देते हुए स्पष्ट कीजिए।
26.व्यंग्य लेखक के रूप में हरिशंकर परसाई के निबंध लेखन की विशेषताओं पर विस्तार से चर्चा कीजिए।
27. कुबेरनाथ राय की निबंध शैली पर प्रकाश डालिए।
28.'मधुर मधुर रसराज' निबंध के माध्यम से कुबेरनाथ राय ने जो विचार व्यक्त किए हैं उनसे आप कहां तक सहमत हैं, स्पष्ट कीजिए।
29. निर्मल वर्मा की निबंध कला पर प्रकाश डालिए।
30.निर्मल वर्मा के 'साहित्य में प्रासंगिकता का प्रश्न' निबंध में व्यक्त विचारों को बिंदुवार स्पष्ट कीजिए।
31. रस निष्पत्ति के सिद्धांतों पर प्रकाश डालिए।
32. साधारणीकरण का सिद्धांत क्या है स्पष्ट कीजिए।
33. भरतमुनि के रस सिद्धांत को विस्तार से समझाइए।
34.'रस को काव्य की आत्मा कहा गया है' क्या आप भी रस को काव्य का अनिवार्य अंग मानते हैं, तर्क सहित उत्तर दीजिए।
35. अलंकार की परिभाषा बताते हुए काव्य में अलंकार का महत्व स्पष्ट कीजिए।
36.यमक और श्लेष अलंकार का अंतर उदाहरण देकर स्पष्ट कीजिए।
37.उपमा एवं रूपक अलंकार को उदाहरण देकर समझाइए।
38. शब्द शक्ति कितनी है और उनका काव्य में क्या महत्व है?
39. छंद की परिभाषा बताते हुए काव्य में छंद की महत्ता प्रतिपादित कीजिए।
40. दोहा एवं चौपाई छंद का अंतर उदाहरण देकर स्पष्ट कीजिए।

डॉ रेखा गुप्ता
विभागाध्यक्ष -हिन्दी